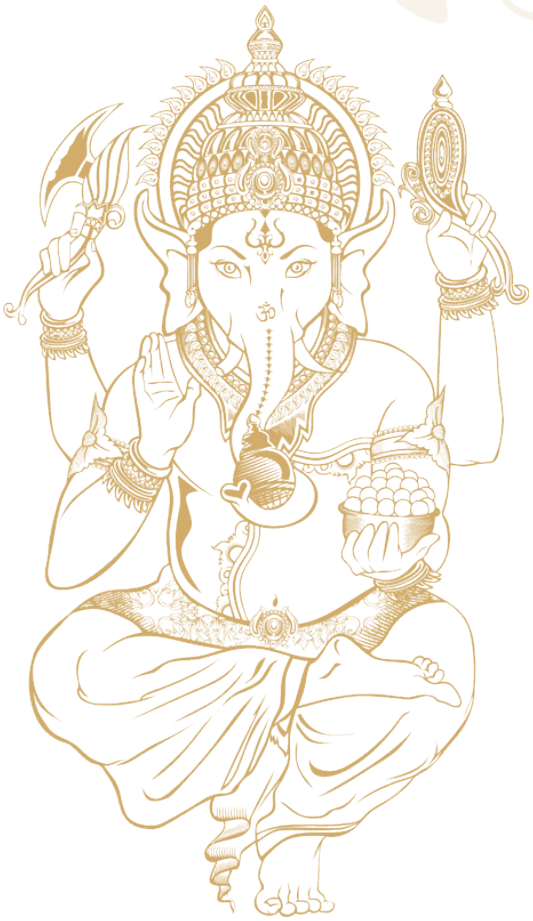

Mahesh Puri

09 Mar 1963

01:45 AM

Patiala

Model: Web-VarshDetails

Order No: 121506101

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
8-09/03/1963	जन्म तिथि	**09/03/2026**
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	08:58:48 घंटे
घटी 47:32:25	जन्म समय(घटी)	05:41:59 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Patiala
उत्तर 30:19:00	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
पूर्व 76:24:00	रेखांश	76:24:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:02	सूर्योदय	06:42:00
18:27:53	सूर्यास्त	18:28:23
23:20:19	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:29

वृश्चिक	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
सिंह	राशि	तुला
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
मघा	नक्षत्र	विशाखा
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	3
सुकर्मा	योग	हर्षण
वणिज	करण	गर
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सर्प
63	गत/तत्कालिक वर्ष	64

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	4	28:47:51	वृश्चि			लग्न			मेष	11:33:55	4	अश्विनी
पू०भाद्रपद	2	24:12:08	कुंभ			सूर्य			कुंभ	24:20:23	2	पू०भाद्रपद
मघा	3	07:31:51	सिंह			चंद्र			तुला	29:44:37	3	विशाखा
पुष्य	3	12:23:10	कर्क	व		मंगल		अ	कुंभ	10:56:11	2	शतभिषा
धनिष्ठा	4	06:02:56	कुंभ			बुध	व	अ	कुंभ	20:56:54	1	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	4	00:18:47	मीन		अ	गुरु	व		मिथु	20:52:09	1	पुनर्वसु
श्रवण	1	11:42:58	मक			शुक्र			मीन	09:07:46	2	उ०भाद्रपद
धनिष्ठा	1	24:22:06	मक			शनि			मीन	08:29:01	2	उ०भाद्रपद
पुष्य	1	05:26:31	कर्क	व		राहु	व		कुंभ	14:41:09	3	शतभिषा
उत्तराषाढ़ा	3	05:26:31	मक	व		केतु	व		सिंह	14:41:09	1	पू०फाल्गुनी
मघा	3	09:18:02	सिंह	व		मु		अ	कुंभ	28:47:51	3	पू०भाद्रपद

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

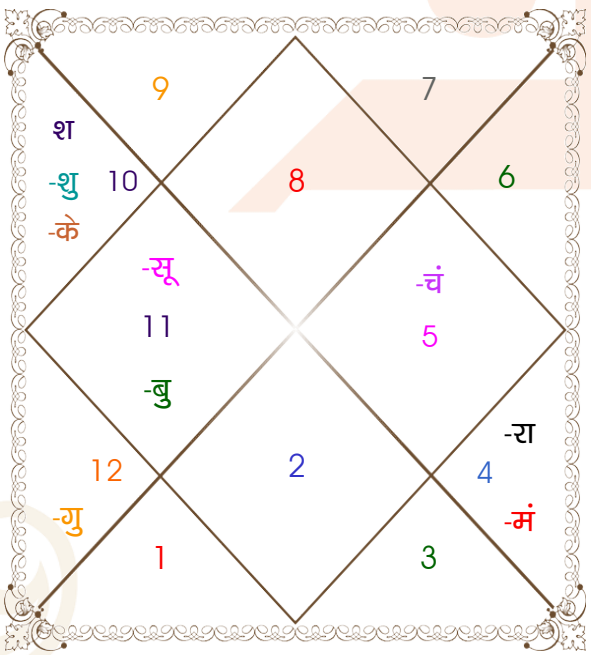

वर्ष लग्न कुंडली

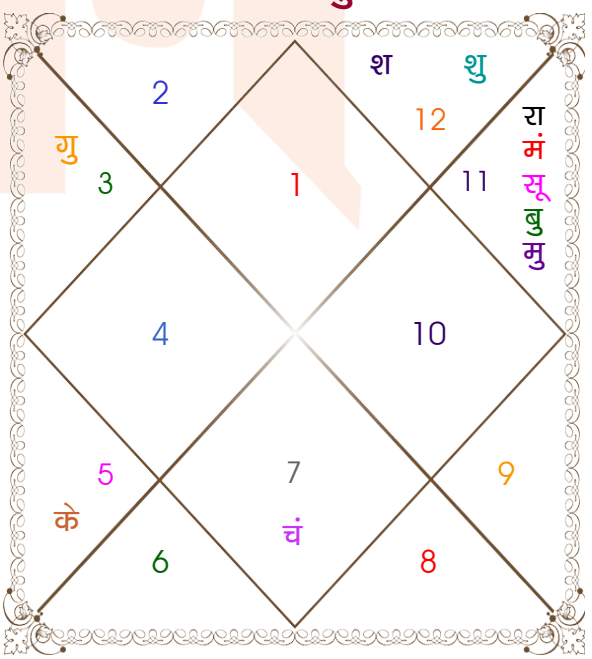

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

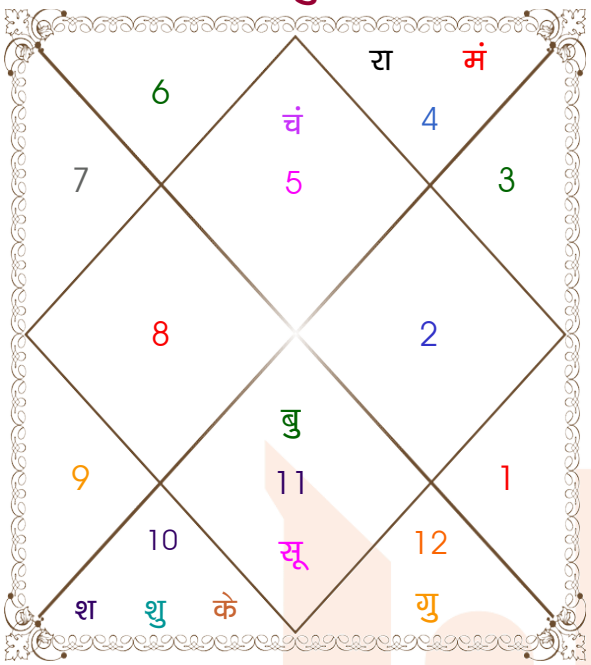

वर्ष चन्द्र कुंडली

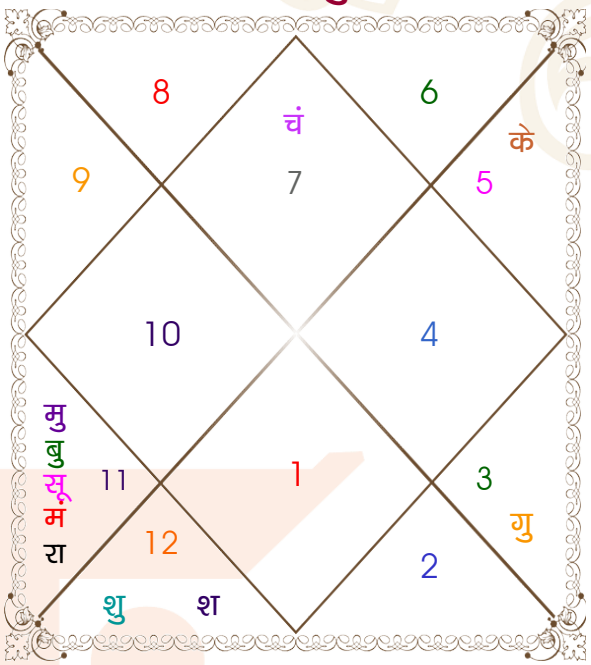

नवमांश कुंडली

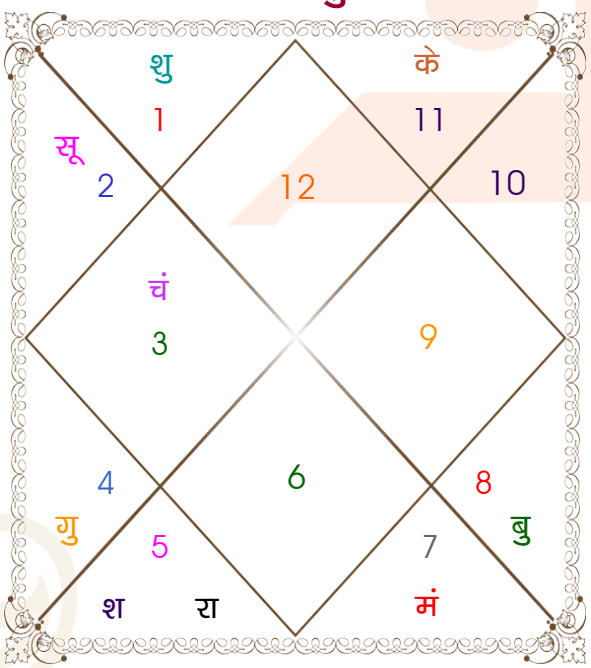

वर्ष नवमांश कुंडली

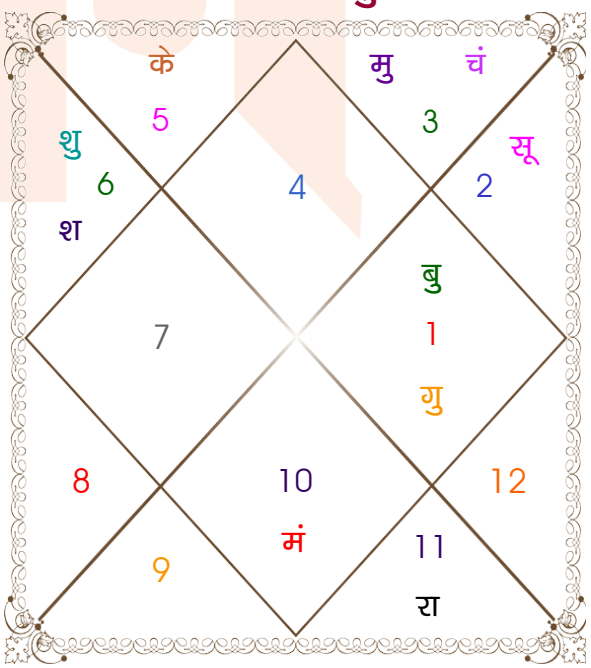

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
मंगल	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	सम	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मेष	कुंभ	तुला	कुंभ	कुंभ	मिथु	मीन	मीन
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	सिंह	कर्क	धनु	मिथु	कर्क	सिंह	मक	मक
चतुर्थांश	कर्क	वृश्चि	कर्क	वृष	सिंह	धनु	मिथु	मिथु
पंचमांश	कुंभ	तुला	तुला	कुंभ	मिथु	मिथु	कन्या	कन्या
षष्ठांश	मिथु	सिंह	कन्या	मिथु	सिंह	सिंह	वृश्चि	वृश्चि
सप्तमांश	मिथु	कर्क	मेष	मेष	मिथु	तुला	वृश्चि	तुला
अष्टमांश	कर्क	कुंभ	वृश्चि	तुला	मक	तुला	कर्क	कर्क
नवमांश	कर्क	वृष	मिथु	मक	मेष	मेष	कन्या	कन्या
दशमांश	कर्क	तुला	कर्क	वृष	सिंह	धनु	कुंभ	मक
एकादशांश	कर्क	कन्या	कर्क	वृष	सिंह	धनु	वृष	वृष
द्वादशांश	सिंह	वृश्चि	कन्या	मिथु	तुला	कुंभ	मिथु	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	सम
द्रेष्काण	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	स्व	सम	शत्रु	स्व	सम	सम
पंचमांश	सम	सम	सम	स्व	मित्र	सम	सम
षष्ठांश	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
सप्तमांश	मित्र	मित्र	स्व	स्व	शत्रु	सम	शत्रु
अष्टमांश	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम	सम
नवमांश	सम	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
दशमांश	सम	स्व	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
एकादशांश	शत्रु	स्व	सम	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	सम	सम
शुभ	4	10	1	4	9	1	2
सम	5	2	7	3	0	8	7
अशुभ	3	0	4	5	3	3	3
कुल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	5
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	5	5	5	0	0	0	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	10	0	5	5	5
बल	सामान्य	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	15.00	15.00	22.50	7.50	7.50
उच्च बल	14.93	0.36	18.56	2.67	18.43	18.01	4.61
हददा बल	3.75	11.25	3.75	3.75	11.25	15.00	3.75
द्रेष्काण	7.50	7.50	2.50	7.50	7.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	3.75	2.50	1.25	3.75	2.50	2.50
कुल	43.68	37.86	42.31	30.17	63.43	45.51	28.36
विंशोपक	10.92	9.47	10.58	7.54	15.86	11.38	7.09
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	बली	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	10.58	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	10.58	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	7.09	दृष्टि नहीं	सूर्य
दिवापति	शनि	7.09	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	सूर्य	10.92	शुभ	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	धनु	16:58:09	गुरु	05/09/2026
गुरु	कन्या	06:09:42	बुध	19/10/2026
ज्ञान	कन्या	06:09:42	बुध	19/10/2026
यश	तुला	15:27:56	शुक्र	18/11/2026
मित्र	वृश्चिक	28:19:19	मंगल	05/02/2027
माहात्म्य	कुम्भ	17:35:53	शनि	05/11/2026
आशा	मेष	10:55:11	मंगल	26/04/2026
समर्थ	वृष	11:33:55	शुक्र	07/05/2026
भातृ	कर्क	23:57:03	चन्द्र	14/01/2027
गौरव	तुला	15:27:56	शुक्र	18/11/2026
राजा	वृष	25:42:33	शुक्र	20/05/2026
पितृ	वृष	25:42:33	शुक्र	20/05/2026
मातृ	धनु	02:10:46	गुरु	21/08/2026
सुत	धनु	02:41:28	गुरु	22/08/2026
जीव	मकर	29:10:47	शनि	03/12/2026
अम्बु	धनु	02:10:46	गुरु	21/08/2026
कर्म	मेष	01:33:12	मंगल	18/04/2026
रोग	कन्या	23:23:14	बुध	08/11/2026
कामदेव	मकर	00:22:21	शनि	09/11/2026
कलि	सिंह	21:29:53	सूर्य	29/09/2026
क्षेम	सिंह	21:29:53	सूर्य	29/09/2026
शास्त्र	कर्क	03:20:02	चन्द्र	21/12/2026
बन्धु	कन्या	02:46:13	बुध	15/10/2026
बंधक	धनु	20:21:38	गुरु	09/09/2026
मृत्यु	मेष	16:14:10	मंगल	30/04/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	तुला	24:07:22	शुक्र	28/11/2026
अर्थ	मिथुन	09:55:55	बुध	09/07/2026
परदारा	वृष	26:21:18	शुक्र	21/05/2026
अन्यकर्म	धनु	02:49:31	गुरु	22/08/2026
वणिक	धनु	20:21:38	गुरु	09/09/2026
कार्यसिद्धि	मीन	22:37:39	गुरु	12/09/2026
विवाह	वृष	12:12:40	शुक्र	07/05/2026
प्रसूति	सिंह	11:29:10	सूर्य	18/09/2026
संताप	कुम्भ	16:14:10	शनि	04/11/2026
श्रद्धा	मिथुन	09:45:30	बुध	09/07/2026
प्रीति	मकर	00:45:28	शनि	09/11/2026
बल	तुला	15:27:56	शुक्र	18/11/2026
देह	तुला	15:27:56	शुक्र	18/11/2026
जाडय	कुम्भ	23:24:04	शनि	09/11/2026
व्यापार	मेष	01:33:12	मंगल	18/04/2026
जलपतन	कुम्भ	23:24:04	शनि	09/11/2026
शत्रु	मीन	14:01:05	गुरु	06/09/2026
शौर्य	कुम्भ	17:35:53	शनि	05/11/2026
उपाय	मकर	29:10:47	शनि	03/12/2026
दरिद्रता	धनु	16:58:09	गुरु	05/09/2026
गुरुता	मिथुन	27:13:32	बुध	28/07/2026
जलपथ	सिंह	18:04:54	सूर्य	25/09/2026
बंधन	मकर	20:03:03	शनि	25/11/2026
कन्या	कन्या	20:57:04	बुध	05/11/2026
अश्व	धनु	26:03:21	गुरु	15/09/2026

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

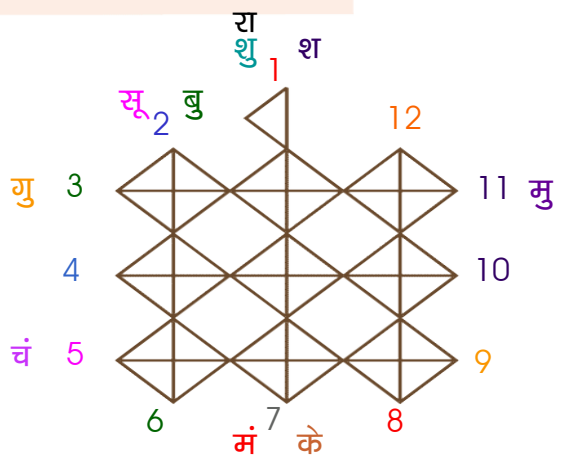

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

शनि		शुक्र		मंगल		लग्न		गुरु	
09/03/2026		**21/06/2026**		**29/06/2026**		**21/07/2026**		**29/07/2026**	
21/06/2026		**29/06/2026**		**21/07/2026**		**29/07/2026**		**20/11/2026**	
शनि	08/04/2026	शुक्र	21/06/2026	मंगल	30/06/2026	लग्न	21/07/2026	गुरु	03/09/2026
शुक्र	10/04/2026	मंगल	22/06/2026	लग्न	01/07/2026	गुरु	24/07/2026	बुध	03/09/2026
मंगल	16/04/2026	लग्न	22/06/2026	गुरु	08/07/2026	बुध	24/07/2026	सूर्य	16/09/2026
लग्न	18/04/2026	गुरु	24/06/2026	बुध	08/07/2026	सूर्य	25/07/2026	चंद्र	07/10/2026
गुरु	21/05/2026	बुध	24/06/2026	सूर्य	10/07/2026	चंद्र	26/07/2026	शनि	08/11/2026
बुध	21/05/2026	सूर्य	25/06/2026	चंद्र	14/07/2026	शनि	28/07/2026	शुक्र	11/11/2026
सूर्य	02/06/2026	चंद्र	27/06/2026	शनि	21/07/2026	शुक्र	28/07/2026	मंगल	18/11/2026
चंद्र	21/06/2026	शनि	29/06/2026	शुक्र	21/07/2026	मंगल	29/07/2026	लग्न	20/11/2026

बुध		सूर्य		चंद्र		चंद्र		चंद्र	
20/11/2026		**21/11/2026**		**02/01/2027**		**02/01/2027**		**02/01/2027**	
21/11/2026		**02/01/2027**		**09/03/2027**		**09/03/2027**		**09/03/2027**	
बुध	20/11/2026	सूर्य	26/11/2026	चंद्र	14/01/2027	चंद्र	14/01/2027	चंद्र	14/01/2027
सूर्य	20/11/2026	चंद्र	03/12/2026	शनि	02/02/2027	शनि	02/02/2027	शनि	02/02/2027
चंद्र	20/11/2026	शनि	15/12/2026	शुक्र	03/02/2027	शुक्र	03/02/2027	शुक्र	03/02/2027
शनि	21/11/2026	शुक्र	16/12/2026	मंगल	07/02/2027	मंगल	07/02/2027	मंगल	07/02/2027
शुक्र	21/11/2026	मंगल	19/12/2026	लग्न	09/02/2027	लग्न	09/02/2027	लग्न	09/02/2027
मंगल	21/11/2026	लग्न	20/12/2026	गुरु	01/03/2027	गुरु	01/03/2027	गुरु	01/03/2027
लग्न	21/11/2026	गुरु	02/01/2027	बुध	02/03/2027	बुध	02/03/2027	बुध	02/03/2027
गुरु	21/11/2026	बुध	02/01/2027	सूर्य	09/03/2027	सूर्य	09/03/2027	सूर्य	09/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मुद्दा दशा

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल	
09/03/2026		30/03/2026		30/05/2026		17/06/2026		18/07/2026	
30/03/2026		30/05/2026		17/06/2026		18/07/2026		08/08/2026	
केतु	10/03/2026	शुक्र	09/04/2026	सूर्य	31/05/2026	चंद्र	20/06/2026	मंगल	19/07/2026
शुक्र	14/03/2026	सूर्य	12/04/2026	चंद्र	01/06/2026	मंगल	22/06/2026	राहु	22/07/2026
सूर्य	15/03/2026	चंद्र	17/04/2026	मंगल	03/06/2026	राहु	26/06/2026	गुरु	25/07/2026
चंद्र	17/03/2026	मंगल	21/04/2026	राहु	05/06/2026	गुरु	30/06/2026	शनि	28/07/2026
मंगल	18/03/2026	राहु	30/04/2026	गुरु	08/06/2026	शनि	05/07/2026	बुध	31/07/2026
राहु	21/03/2026	गुरु	08/05/2026	शनि	11/06/2026	बुध	09/07/2026	केतु	02/08/2026
गुरु	24/03/2026	शनि	18/05/2026	बुध	13/06/2026	केतु	11/07/2026	शुक्र	05/08/2026
शनि	27/03/2026	बुध	27/05/2026	केतु	14/06/2026	शुक्र	16/07/2026	सूर्य	06/08/2026
बुध	30/03/2026	केतु	30/05/2026	शुक्र	17/06/2026	सूर्य	18/07/2026	चंद्र	08/08/2026

राहु		गुरु		शनि		बुध		बुध	
08/08/2026		02/10/2026		20/11/2026		16/01/2027		16/01/2027	
02/10/2026		20/11/2026		16/01/2027		09/03/2027		09/03/2027	
राहु	16/08/2026	गुरु	08/10/2026	शनि	29/11/2026	बुध	24/01/2027	बुध	24/01/2027
गुरु	24/08/2026	शनि	16/10/2026	बुध	07/12/2026	केतु	27/01/2027	केतु	27/01/2027
शनि	01/09/2026	बुध	23/10/2026	केतु	10/12/2026	शुक्र	04/02/2027	शुक्र	04/02/2027
बुध	09/09/2026	केतु	26/10/2026	शुक्र	20/12/2026	सूर्य	07/02/2027	सूर्य	07/02/2027
केतु	12/09/2026	शुक्र	03/11/2026	सूर्य	23/12/2026	चंद्र	11/02/2027	चंद्र	11/02/2027
शुक्र	21/09/2026	सूर्य	05/11/2026	चंद्र	28/12/2026	मंगल	14/02/2027	मंगल	14/02/2027
सूर्य	24/09/2026	चंद्र	09/11/2026	मंगल	31/12/2026	राहु	22/02/2027	राहु	22/02/2027
चंद्र	29/09/2026	मंगल	12/11/2026	राहु	09/01/2027	गुरु	01/03/2027	गुरु	01/03/2027
मंगल	02/10/2026	राहु	20/11/2026	गुरु	16/01/2027	शनि	09/03/2027	शनि	09/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - मंगल	
07/03/2026 11:39	
29/03/2026 20:35	
मंगल	08/03/2026 18:59
राहु	12/03/2026 03:31
गुरु	15/03/2026 03:06
शनि	18/03/2026 16:07
बुध	21/03/2026 20:11
केतु	23/03/2026 03:30
शुक्र	26/03/2026 20:59
सूर्य	27/03/2026 23:50
चंद्र	29/03/2026 20:35

राहु - मंगल - राहु	
29/03/2026 20:35	
26/05/2026 09:13	
राहु	07/04/2026 11:40
गुरु	15/04/2026 03:45
शनि	24/04/2026 06:22
बुध	02/05/2026 09:57
केतु	05/05/2026 18:29
शुक्र	15/05/2026 08:36
सूर्य	18/05/2026 05:38
चंद्र	23/05/2026 00:41
मंगल	26/05/2026 09:13

राहु - मंगल - गुरु	
26/05/2026 09:13	
16/07/2026 12:28	
गुरु	02/06/2026 04:51
शनि	10/06/2026 07:10
बुध	17/06/2026 13:01
केतु	20/06/2026 12:37
शुक्र	29/06/2026 01:09
सूर्य	01/07/2026 14:31
चंद्र	05/07/2026 20:47
मंगल	08/07/2026 20:22
राहु	16/07/2026 12:28

राहु - मंगल - शनि	
16/07/2026 12:28	
15/09/2026 05:48	
शनि	26/07/2026 03:12
बुध	03/08/2026 17:40
केतु	07/08/2026 06:41
शुक्र	17/08/2026 09:34
सूर्य	20/08/2026 10:26
चंद्र	25/08/2026 11:53
मंगल	29/08/2026 00:54
राहु	07/09/2026 03:30
गुरु	15/09/2026 05:48

राहु - मंगल - बुध	
15/09/2026 05:48	
08/11/2026 13:45	
बुध	22/09/2026 22:32
केतु	26/09/2026 02:36
शुक्र	05/10/2026 03:55
सूर्य	07/10/2026 21:07
चंद्र	12/10/2026 09:47
मंगल	15/10/2026 13:51
राहु	23/10/2026 17:26
गुरु	30/10/2026 23:18
शनि	08/11/2026 13:45

राहु - मंगल - केतु	
08/11/2026 13:45	
30/11/2026 22:40	
केतु	09/11/2026 21:04
शुक्र	13/11/2026 14:33
सूर्य	14/11/2026 17:24
चंद्र	16/11/2026 14:09
मंगल	17/11/2026 21:28
राहु	21/11/2026 06:00
गुरु	24/11/2026 05:36
शनि	27/11/2026 18:36
बुध	30/11/2026 22:40

राहु - मंगल - शुक्र	
30/11/2026 22:40	
02/02/2027 20:43	
शुक्र	11/12/2026 14:21
सूर्य	14/12/2026 19:03
चंद्र	20/12/2026 02:53
मंगल	23/12/2026 20:22
राहु	02/01/2027 10:29
गुरु	10/01/2027 23:01
शनि	21/01/2027 01:54
बुध	30/01/2027 03:14
केतु	02/02/2027 20:43

राहु - मंगल - सूर्य	
02/02/2027 20:43	
22/02/2027 00:56	
सूर्य	03/02/2027 19:44
चंद्र	05/02/2027 10:05
मंगल	06/02/2027 12:56
राहु	09/02/2027 09:57
गुरु	11/02/2027 23:19
शनि	15/02/2027 00:11
बुध	17/02/2027 17:23
केतु	18/02/2027 20:14
शुक्र	22/02/2027 00:56

राहु - मंगल - चंद्र	
22/02/2027 00:56	
25/03/2027 23:57	
चंद्र	24/02/2027 16:51
मंगल	26/02/2027 13:36
राहु	03/03/2027 08:39
गुरु	07/03/2027 14:55
शनि	12/03/2027 16:22
बुध	17/03/2027 05:02
केतु	19/03/2027 01:46
शुक्र	24/03/2027 09:36
सूर्य	25/03/2027 23:57

गुरु - गुरु - गुरु	
25/03/2027 23:57	
07/07/2027 21:24	
गुरु	08/04/2027 20:25
शनि	25/04/2027 07:13
बुध	10/05/2027 00:27
केतु	16/05/2027 01:54
शुक्र	02/06/2027 09:28
सूर्य	07/06/2027 14:09
चंद्र	16/06/2027 05:56
मंगल	22/06/2027 07:23
राहु	07/07/2027 21:24

गुरु - गुरु - शनि	
07/07/2027 21:24	
08/11/2027 06:21	
शनि	27/07/2027 10:13
बुध	13/08/2027 21:41
केतु	21/08/2027 02:25
शुक्र	10/09/2027 15:54
सूर्य	16/09/2027 19:57
चंद्र	27/09/2027 02:42
मंगल	04/10/2027 07:25
राहु	22/10/2027 19:34
गुरु	08/11/2027 06:21

गुरु - गुरु - बुध	
08/11/2027 06:21	
26/02/2028 15:38	
बुध	23/11/2027 21:40
केतु	30/11/2027 08:13
शुक्र	18/12/2027 17:46
सूर्य	24/12/2027 06:13
चंद्र	02/01/2028 11:00
मंगल	08/01/2028 21:32
राहु	25/01/2028 10:56
गुरु	09/02/2028 04:10
शनि	26/02/2028 15:38

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा यदा कदा आप अशान्ति की भी अनुभूति करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा अवसरानुकूल उनसे आपको अल्प मात्रा में लाभ या सहयोग प्राप्त होता रहेगा। संतति पक्ष से भी इस समय आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सामान्य सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने कार्यक्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नतिशील रहेंगे। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय मध्यम ही रहेगी तथापि आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा लेकिन यदा कदा व्यय भी की अधिकता से आप को इस क्षेत्र में परेशानी की अनुभूति हो सकती है लेकिन विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से ही आपको इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी परन्तु भाग्यबल की अल्पता रहेगी। अतः व्यापार आदि में नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा चलते हुए कार्य से ही सन्तुष्ट रहें। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति की संभावनाएं रहेंगी परन्तु इनमें यदा कदा अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान होगा परन्तु अन्ततोगत्वा आपको सफलता मिलेगी।शत्रुपक्ष से भी आप चिंतित रहेंगे परन्तु इनका सामना करने में आप समर्थ हो सकेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ परन्तु परिश्रमशील होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष मित्र एवं संबंधियों से आपको इच्छित सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। संतति पक्ष से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा । साथ ही अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता प्राप्त करेंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को आप अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी इस समय पूर्ण होंगी तथा भाग्योदय संबंधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापार का विस्तार या कोई नवीन योजना प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय महापुरूषों तथा राजनेताओं से आपके संबंध स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त क्रय विक्रय संबंधी कार्य में आपको इच्छित लाभ होगा एवं आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रथम मास

09/03/2026 08:58:48 से 08/04/2026 19:29:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	11:33:55
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:20:23
चन्द्र		तुला	विशाखा	29:44:37
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	10:56:11
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:56:54
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:52:09
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:07:46
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:29:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:41:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:41:09
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:47:51

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

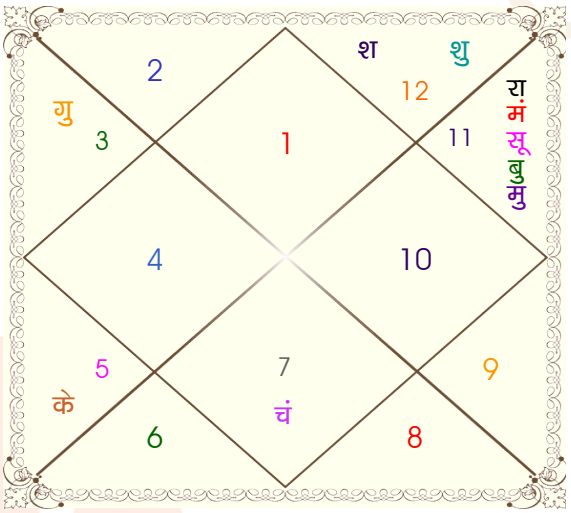

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थों का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

द्वितीय मास
08/04/2026 19:29:51 से 09/05/2026 06:00:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	04:28:36
सूर्य		मीन	रेवती	24:31:06
चन्द्र		धनु	मूल	06:43:50
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	04:48:49
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:15:08
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:07:50
शुक्र		मेष	भरणी	16:44:05
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:15:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:52:31
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:52:31
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	01:17:51

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

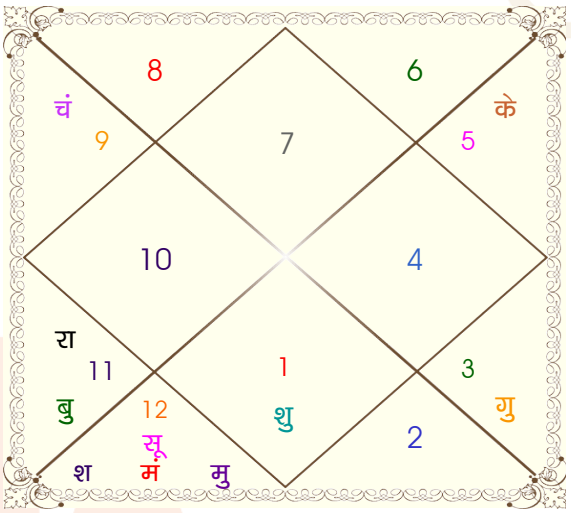

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

09/05/2026 06:00:54 से 08/06/2026 16:31:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	00:42:44
सूर्य		मेष	भरणी	24:11:22
चन्द्र		मकर	श्रवण	14:24:27
मंगल		मीन	रेवती	28:16:15
बुध		मेष	भरणी	17:37:55
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:52:05
शुक्र		वृष	मृगशिरा	23:44:48
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:48:06
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:37:14
केतु	व	सिंह	मघा	11:37:14
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	03:47:51

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

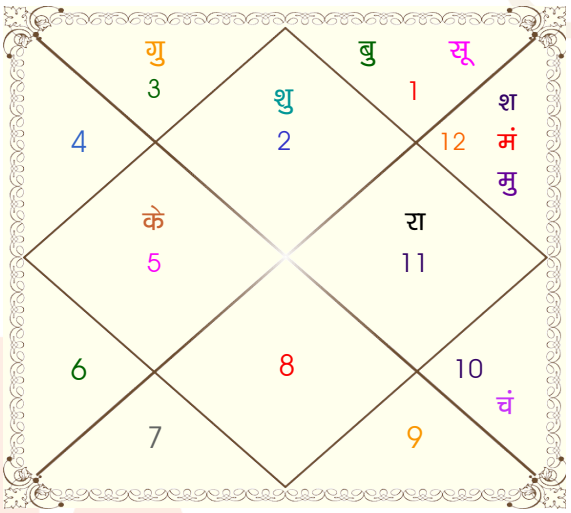

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
08/06/2026 16:31:57 से 09/07/2026 03:03:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	17:40:24
सूर्य		वृष	मृगशिरा	23:27:09
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:58:04
मंगल		मेष	भरणी	21:02:06
बुध		मिथुन	आर्द्रा	16:24:53
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:16:43
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	29:56:33
शनि		मीन	रेवती	18:36:46
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:41:44
केतु	व	सिंह	मघा	08:41:44
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	06:17:51

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

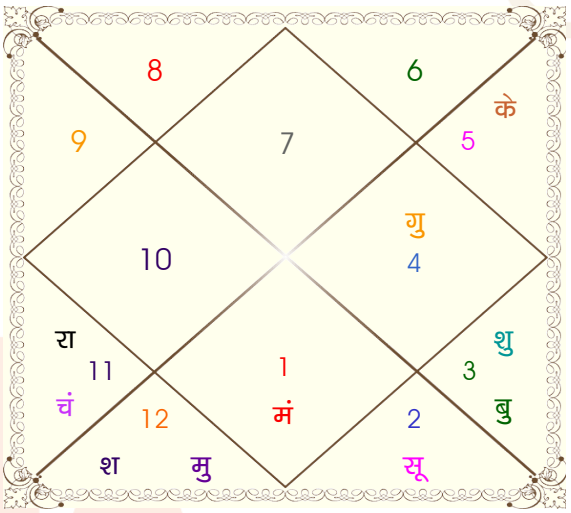

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास

09/07/2026 03:03:00 से 08/08/2026 13:34:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	17:35:31
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	22:30:10
चन्द्र		मेष	अश्विनी	06:22:33
मंगल		वृष	रोहिणी	12:54:45
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:04:57
गुरु		कर्क	पुष्य	07:38:18
शुक्र		सिंह	मघा	04:50:59
शनि		मीन	रेवती	20:14:49
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:29:53
केतु	व	सिंह	मघा	06:29:53
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	08:47:51

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

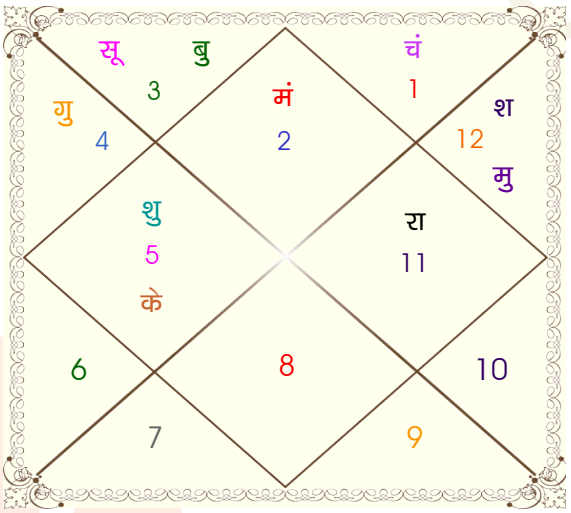

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

08/08/2026 13:34:03 से 08/09/2026 00:05:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	00:45:31
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	21:34:55
चन्द्र		वृष	रोहिणी	21:20:32
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	03:45:43
बुध		कर्क	पुष्य	03:42:46
गुरु		कर्क	पुष्य	14:21:07
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:18:47
शनि	व	मीन	रेवती	20:23:09
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:38:42
केतु	व	सिंह	मघा	05:38:42
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	11:17:51

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

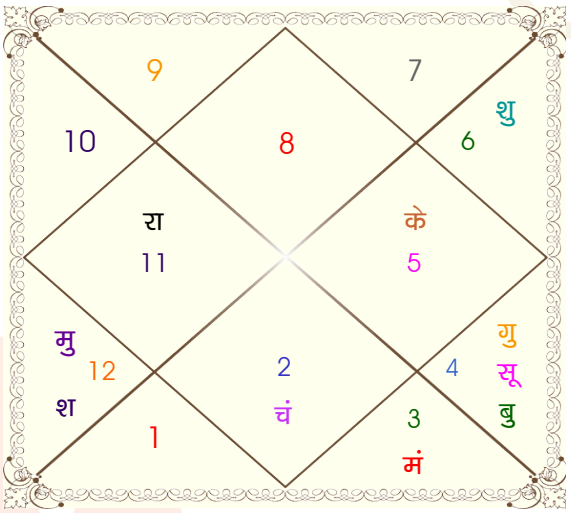

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
08/09/2026 00:05:06 से 08/10/2026 10:36:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:43:40
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:55:31
चन्द्र		कर्क	पुष्य	06:49:08
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:25:28
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:46:11
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:52:26
शुक्र		तुला	चित्रा	04:01:41
शनि	व	मीन	रेवती	19:02:25
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:34:19
केतु		सिंह	मघा	05:34:19
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	13:47:51

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

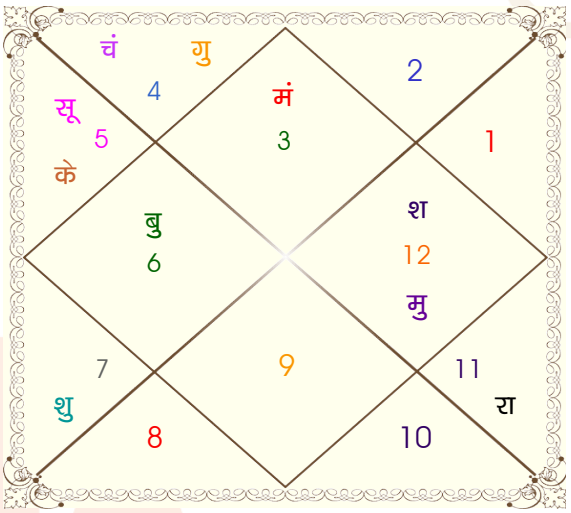

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टम् मास
08/10/2026 10:36:09 से 07/11/2026 21:07:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	13:53:19
सूर्य		कन्या	हस्त	20:42:36
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:38:26
मंगल		कर्क	पुष्य	11:36:19
बुध		तुला	स्वाति	15:23:13
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:36:42
शुक्र	व	तुला	स्वाति	13:47:00
शनि	व	मीन	रेवती	16:46:43
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:51:30
केतु	व	सिंह	मघा	04:51:30
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	16:17:51

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

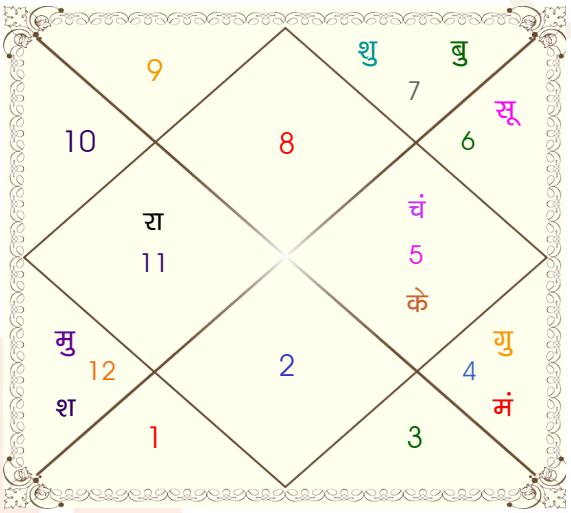

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

नवम् मास
07/11/2026 21:07:12 से 08/12/2026 07:38:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	16:43:25
सूर्य		तुला	विशाखा	21:00:23
चन्द्र		तुला	चित्रा	02:02:57
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:39:43
बुध	व	तुला	स्वाति	14:12:37
गुरु		सिंह	मघा	00:50:39
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	29:27:23
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:39:33
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:18:55
केतु	व	सिंह	मघा	02:18:55
मुंथा		मीन	रेवती	18:47:51

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

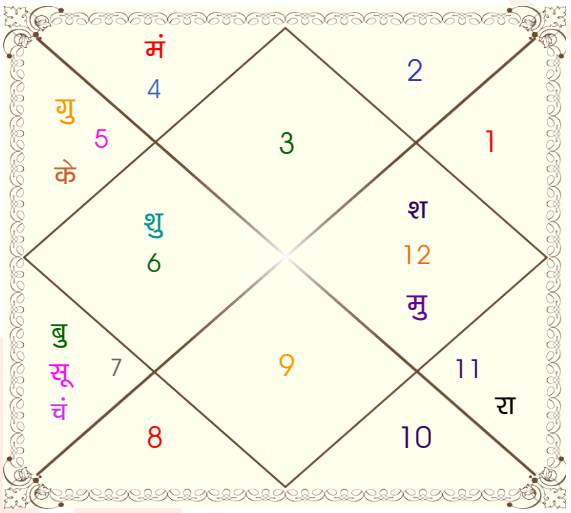

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

दशम् मास
08/12/2026 07:38:15 से 07/01/2027 18:09:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:20:11
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:44:56
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:19:42
मंगल		सिंह	मघा	10:10:26
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	08:23:29
गुरु		सिंह	मघा	02:44:55
शुक्र		तुला	स्वाति	08:17:32
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:42:10
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:46:34
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:46:34
मुंथा		मीन	रेवती	21:17:51

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

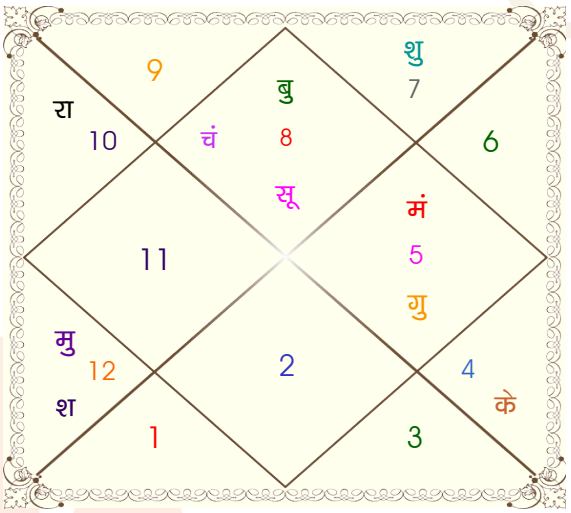

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास

07/01/2027 18:09:18 से 07/02/2027 04:40:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुनर्वसु	00:05:09
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:44:16
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:15:10
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:08:03
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:15:23
गुरु	व	सिंह	मघा	01:44:43
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	05:55:34
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:22:40
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:34:46
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:34:46
मुंथा		मीन	रेवती	23:47:51

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

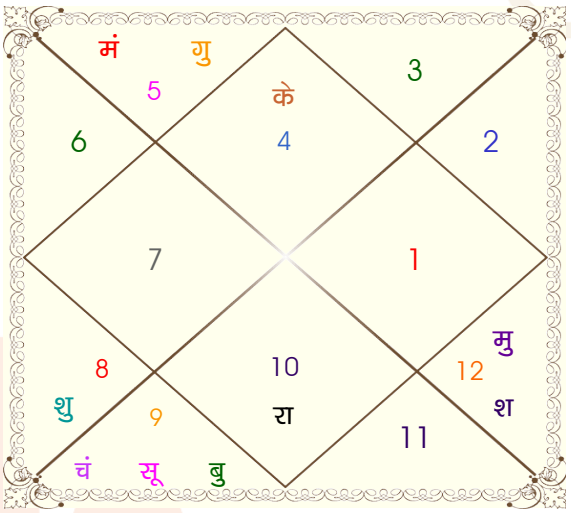

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

07/02/2027 04:40:21 से 09/03/2027 15:11:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	11:30:04
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	23:41:38
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	27:01:01
मंगल	व	सिंह	मघा	11:19:52
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:03:50
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:20:17
शुक्र		धनु	मूल	09:37:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:33:42
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:08
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:08
मुंथा		मीन	रेवती	26:17:51

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

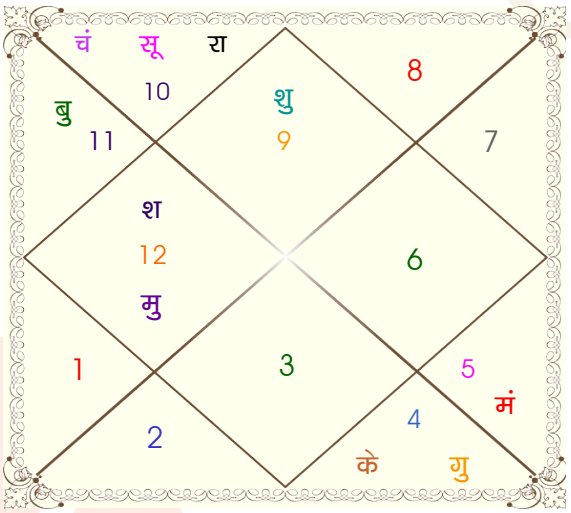

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।